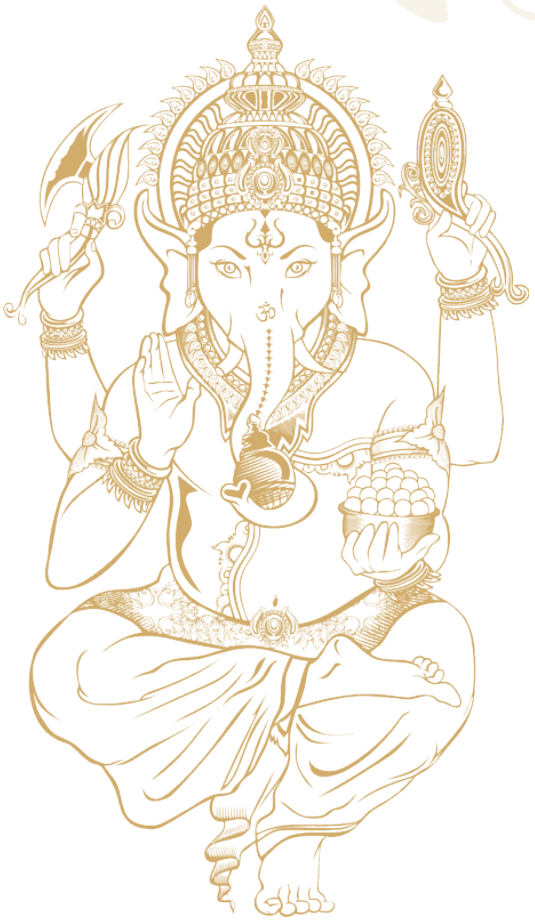

Jogi

08 May 1993

11:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120908510

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/05/1993**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**23:30:00 घंटे**
इष्ट	44:46:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:31 घंटे
साम्पातिक काल	14:15:09 घंटे
सूर्योदय	05:35:15 घंटे
सूर्यास्त	19:00:26 घंटे
दिनमान	13:25:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	24:22:29 मेष
लग्न के अंश	25:38:52 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शिव
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	25:38:52	370:47:22	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मेष	24:22:29	00:58:00	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	उच्च राशि
चंद्र			वृश्चि	28:28:21	13:34:05	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल			कर्क	11:29:53	00:30:07	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध		अ	मेष	15:48:36	02:02:51	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		कन्या	11:48:03	00:04:06	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	14:28:39	00:30:56	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि			कुंभ	05:42:21	00:03:06	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	18:30:15	00:00:44	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			वृष	18:30:15	00:00:44	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष	व		धनु	28:21:36	00:00:36	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		धनु	27:19:01	00:00:30	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो	व		वृश्चि	00:32:41	00:01:39	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			तुला	12:20:28	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:06

लग्न-चलित

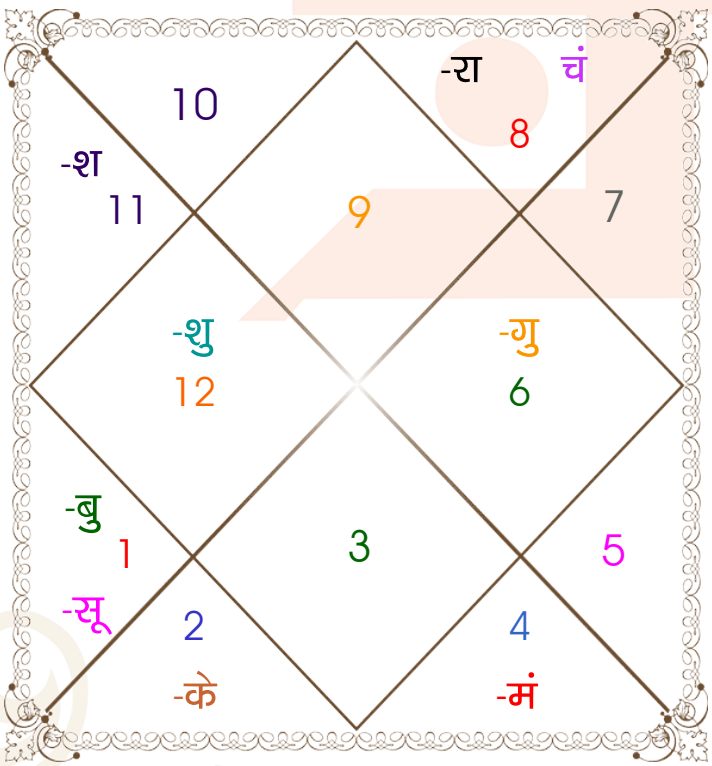

चन्द्र कुंडली

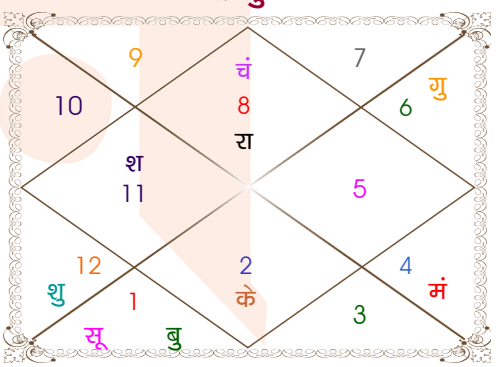

नवमांश कुंडली

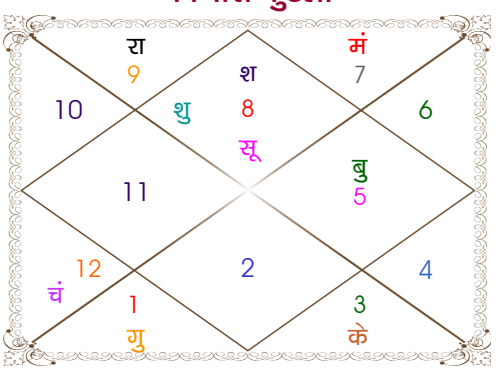

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 1 वर्ष 11 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/05/1993		20/04/1995		20/04/2002		20/04/2022		19/04/2028	
20/04/1995		20/04/2002		20/04/2022		19/04/2028		20/04/2038	
	00/00/0000	केतु	16/09/1995	शुक्र	19/08/2005	सूर्य	07/08/2022	चंद्र	17/02/2029
	00/00/0000	शुक्र	15/11/1996	सूर्य	19/08/2006	चंद्र	06/02/2023	मंगल	19/09/2029
	00/00/0000	सूर्य	23/03/1997	चंद्र	19/04/2008	मंगल	14/06/2023	राहु	20/03/2031
	00/00/0000	चंद्र	22/10/1997	मंगल	19/06/2009	राहु	07/05/2024	गुरु	19/07/2032
	00/00/0000	मंगल	20/03/1998	राहु	19/06/2012	गुरु	24/02/2025	शनि	18/02/2034
	00/00/0000	राहु	08/04/1999	गुरु	18/02/2015	शनि	06/02/2026	बुध	20/07/2035
	00/00/0000	गुरु	14/03/2000	शनि	20/04/2018	बुध	13/12/2026	केतु	18/02/2036
	08/05/1993	शनि	22/04/2001	बुध	17/02/2021	केतु	20/04/2027	शुक्र	19/10/2037
शनि	20/04/1995	बुध	20/04/2002	केतु	20/04/2022	शुक्र	19/04/2028	सूर्य	20/04/2038

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
20/04/2038		19/04/2045		20/04/2063		20/04/2079		20/04/2098	
19/04/2045		20/04/2063		20/04/2079		20/04/2098		09/05/2113	
मंगल	16/09/2038	राहु	01/01/2048	गुरु	07/06/2065	शनि	23/04/2082	बुध	16/09/2100
राहु	04/10/2039	गुरु	26/05/2050	शनि	19/12/2067	बुध	31/12/2084	केतु	13/09/2101
गुरु	09/09/2040	शनि	01/04/2053	बुध	26/03/2070	केतु	09/02/2086	शुक्र	14/07/2104
शनि	19/10/2041	बुध	19/10/2055	केतु	02/03/2071	शुक्र	10/04/2089	सूर्य	21/05/2105
बुध	16/10/2042	केतु	06/11/2056	शुक्र	31/10/2073	सूर्य	23/03/2090	चंद्र	20/10/2106
केतु	14/03/2043	शुक्र	07/11/2059	सूर्य	19/08/2074	चंद्र	23/10/2091	मंगल	17/10/2107
शुक्र	13/05/2044	सूर्य	30/09/2060	चंद्र	19/12/2075	मंगल	30/11/2092	राहु	06/05/2110
सूर्य	18/09/2044	चंद्र	01/04/2062	मंगल	24/11/2076	राहु	07/10/2095	गुरु	11/08/2112
चंद्र	19/04/2045	मंगल	20/04/2063	राहु	20/04/2079	गुरु	20/04/2098	शनि	09/05/2113

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 1 वर्ष 11 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।